THE SCIENCE WORLD
A Monthly e Magazine
ISSN:2583-2212
Hindi Popular Article
April 2024 Vol.4(4), 1305-1308

कुत्तों में हिट स्ट्रोक

डॉ. हिरेन एम. बरोट[1], डॉ. भैरवी सौदागर[2], डॉ. अंकुश मयानी[3]

[1]टीचिंग एसोसिएट, पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज, कामधेनु विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात

[2]पशु चिकित्सा सर्जन, टाटा ट्रस्ट small animal hospital, पशु अस्पताल, महालक्ष्मी, मुंबई, महाराष्ट्र

[3]पोस्ट ग्रेजुएट स्कॉलर, पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज, कामधेनु विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात

https://doi.org/10.5281/zenodo.10926060

प्रस्तावना

हीट स्ट्रोक या लू लगना एक बेहद खतरनाक जानलेवा बिमारी है जो ज्यादातर कुत्तों में गर्मियों के मौसम में पायी जाती है जो कुत्ते के शारीरिक तापमान बढ़ने के कारण होती है। इस लेख में, हम हीट स्ट्रोक के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे, इसके लक्षणों का चिंतन करेंगे, उपचार के विकल्पों का विचार करेंगे, और और ये भी जानेगे कि हिट स्ट्रोक को कैसे रोका जा सकता है ।

एक कुत्ते के सामान्य शरीर का तापमान 100 से 102 डिग्री फारेनहाइट होता है। अगर वे बुखार से अस्वस्थ हैं तो यह थोड़ा बढ़ सकता है। यदि आपके कुत्ते के शरीर का तापमान 104 डिग्री फेरनहाइट से भी ज़्यादा हो जाता है। तो तो उसे हीटस्ट्रोक का खतरा होता है, जिससे दौरे, अंग क्षति, आंतरिक रक्तस्राव, कोमा और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है।

पूरे मानव शरीर में पसीने की ग्रंथियां होती हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करती हैं, लेकिन कुत्तों के पैरों में और उनकी नाक के आसपास कुछ ही ऐसी ग्रंथियाँ होती है जो तापमान को नियंत्रित करती है । ऐसे में कुत्ते अपने नाक का इस्तेमाल करके अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित करते हैं । Brachycephalic (फ्लैट-फेस) कुत्ते उनकी नाक के अंदर बहुत कम जगह होने की वजह से ठंडे दिनों में भी उन्हें हीट स्ट्रोक होने की संभावना रहती है । सबसे अधिक प्रभावित कुत्तों में पग, इंग्लिश बुलडॉग, फ्रेंच बुलडॉग, डॉग डी बोर्डो, पोमेरेनियन, शिहत्ज़ु और बोस्टन टेरियर शामिल हैं ।

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 03.04.2024

हिट स्ट्रोक होने के कारण

- हिट स्ट्रोक का सबसे आम कारण कुत्ते को गर्मियों के मौसम में लंबे समय तक एक बंद कार में रखना ।
- कुत्तों को इधर उधर भागना ज्यादा पसंद होता है। यही वजह है के गर्मियों के मौसम में ज्यादा खेलने और व्यायाम करते समय हिट स्ट्रोक के मामले विकसित होते हैं।
- लंबे समय तक धूप में रहना ।
- पानी की कमी या पर्याप्त पानी न पीना ।
- लंबे मोटे बालों के कोट भी उन्हें हीट स्ट्रोक करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।
- कुत्ते को खराब वेंटिलेशन और छाया की कमी वाले क्षेत्र में रखा जा रहा हो।

हिट स्ट्रोक के लक्षण

- स्पर्श करने पर त्वचा गर्म महसूस होती है ।
- सुस्त और कमजोर रहना ।
- अत्यधिक और लंबे समय तक हांफना ।
- मूव में से अत्यधिक लार टपकाना और झाग आना।
- मसूड़े गहरे लाल रंग के हो जाने ।
- तेजी से सांस लेना/सांस लेने में कठिनाई ।
- धड़कन का तेज होना ।
- उल्टी और दस्त।
- कभी कभी खून के दस्त और उल्टी होना ।
- दौरे आना ।
- नाक से खून आना।

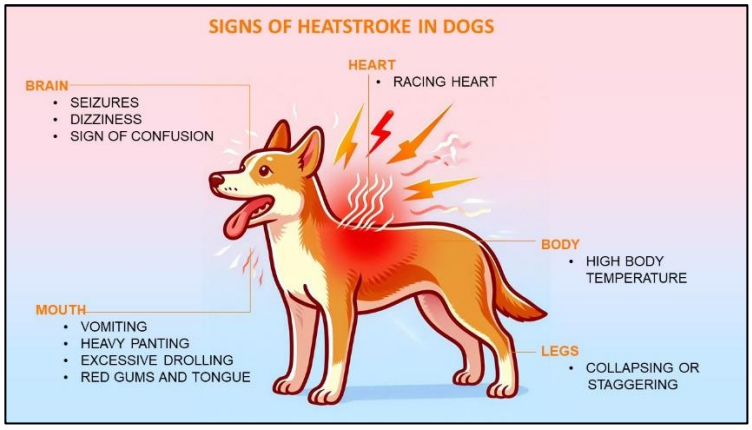

कुत्तों में हिट स्ट्रोक के लक्षण दिखता चित्र

हीट स्ट्रोक का घरेलू उपचार

- यदि आपका कुत्ता हिट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण जैसे कि अत्यधिक हांफना, मूव में से अत्यधिक लार टपकाना और झाग आना दिखा रहा है, तो उसे ठंडे क्षेत्र में ले जाएं और पीने के लिए ताजा

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 03.04.2024

पानी दें । अपने कुत्ते को ठंडा पानी दें, लेकिन अपने कुत्ते के मुंह में जबरदस्ती पानी न डालें। जबरदस्ती पानी पिलाने से पानी सांस नली में भी जा सकता है और उससे चौक होके आपका कुत्ता मर भी सकता है ।

- धीरे-धीरे शरीर को बर्फ के पैक से ठंडा करें, ठंडा स्प्रे करें या ठंडे पानी से स्पंज करें ।
- एक अध्ययन के अनुसार कुत्ते को हॉस्पिटल ले जाने से पहले और हॉस्पिटल ले जाने तक अगर थोड़ा ठंडा कर दिया जाए तो तो उसके मृत्यु दर को कम किया जा सकता है ।

यदि आपका कुत्ता हीट स्ट्रोक के कई लक्षण दिखा रहा है तो अपने पालतू जानवर को गुनगुने पानी में भिगोए तौलिये में लपेटें और तुरंत सीधे निकटतम पशु चिकित्सक के पास ले जाना चाहिए जहाँ आपका पशु चिकित्सक पंखे, ठंडे पानी और ड्रिप का उपयोग करके जितनी जल्दी हो सके आपके कुत्ते के तापमान को कम करने का प्रयास करेंगे । यदि आपका कुत्ता बेहद गर्म है, सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहा है, दौरे पड़ रहे हैं, या बेहोश है, तो उन्हें ऑक्सीजन, दवाओं की भी आवश्यकता हो सकती है ।

हिट स्ट्रोक से कुत्तों को बचाने के कुछ उपाय

- पालतू कुत्ते को कुछ मिनटों के लिए कार में छोड़ना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन यह कुत्तों में जल्दी से हीट स्ट्रोक का कारण बन सकता है। तेज धूप में, कार एक ओवन की तरह काम करती है, जो बाहरी हवा की तुलना में अंदर से बहुत गर्म हो जाती है। वास्तव में, धूप 70 डिग्री के दिन, कार मिनटों के भीतर 100 डिग्री से अधिक गर्म हो सकती है, इसलिए या तो पालतू जानवर को अपने साथ ले जाएं या खरीदारी यात्रा के दौरान उसे घर पर छोड़ दें। कुत्ते को कभी भी कार में न छोड़ें ।
- अपने कुत्ते को दिन के सबसे गर्म हिस्से में टहलाने से बचें, इसके बजाय उन्हें जल्दी सुबह या तो देर शाम को बाहर ले जाएं ।
- यदि आपका कुत्ता बुजुर्ग, अधिक वजन, अस्वस्थ है तो गर्म दिनों में व्यायाम से पूरी तरह से बचें ।
- कुत्तों में डिहाइड्रेशन एक सामान्य घटना है । डिहाइड्रेशन के संकेतों में सूखे मसूड़े और अत्यधिक लार शामिल हैं इसीलिए घर के अंदर हमेशा ताजा साफ ठंडा पानी रखना चाहिए ताकि कुत्ते डिहाइड्रेशन से बच सकें। गर्म मौसम में ठंडा पानी कुत्ते को अधिक ठंडा रखने में मदद कर सकता है ।
- तरल पदार्थ का सेवन बढ़ाने के लिए गर्म महीनों के दौरान कुत्ते को सूखे खुराक की जगह गिला खुराक देना चाहिए जिसमें आर्द्रता (moisture content) ज्यादा हो ।
- सीधी धूप कुत्तों को ज्यादा गर्म करती है । और हिट स्ट्रोक का कारण बन सकती है । इसीलिए पालतू जानवर को छाया में रखना चाहिए ।

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 03.04.2024

- गर्मियों के मौसम में टिक ज़्यादा निकलती है और कुत्ते के माथे और कान के आसपास पाई जाती है । इससे कुत्तों को टिक फीवर होने का खतरा रहता है, इसलिए कुत्तों को टिक से बचाना चाहिए और नियमित सप्ताह में एक बार एंटी टिक शैंपू से नहलाना चाहिए ।
- अपने कुत्ते का वजन स्वस्थ प्रमाण में रखें क्योंकि अधिक वजन वाले कुत्तों को हिट स्ट्रोक होने का संभावना ज़्यादा है ।
- पालतू कुत्ते जो बुजुर्ग, अधिक वजन और हृदय या फेफड़ों की बीमारी बिमारी से पीड़ित हैं । उन्हें गर्मी में जितना संभव हो सके वातानुकूलित कमरों में रखना चाहिए ।
- अगर आपके कुत्ते का बाहरी कोर्ट ज्यादा मोटा है तो उसको ट्रिम करा के रखे ताकि वो खुद के शरीर के तापमान को नियंत्रित कर सके ।
- यदि आपको थोड़ा सा भी संदेह है कि आपका कुत्ता हीट स्ट्रोक या हीट थकावट से पीड़ित है, तो आपको तत्काल डॉक्टर के पास लेके जाना चाहिए ।
- अपने पशु चिकित्सक से परामर्श किए बिना अपने कुत्ते को कभी भी anti-inflammatory (paracetamol, aspirin) या कोई अन्य दवा न दें ।

निष्कर्ष

कुछ कुत्ते हीटस्ट्रोक से पूरी तरह से ठीक हो सकते हैं यदि इसे जल्दी ठीक किया जाए । और कुछ कुत्तों को स्थायी अंग क्षति होती है और आजीवन उपचार की आवश्यकता होती है। अफसोस की बात है, कई कुत्ते हीट स्ट्रोक से नहीं बचते हैं। रोकथाम गर्म मौसम के दौरान अपने कुत्ते को सुरक्षित रखने की कुंजी है ।

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 03.04.2024